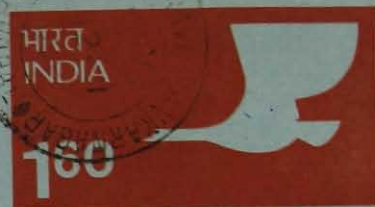


हवाई पत्र
Aerogramme



Mr. S. H. RAZA

101, RUE DE CHARONNE

2, CITE DU COUVENT

75011 PARIS

FRANCE.

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

भेजने वाले का नाम और पता :-
Sender's Name and Address :-

S. NAGDEV

5/127 R.S. NAGAR

BHOPAL - 462016

INDIA

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये
No Enclosures Allowed

आदरणीय राजा साहेब,

सबसे पहले तो इस बात की माफ़ी मांगता हूँ कि आपका कोई सहित से कोई पत्र नहीं लिख सका। आपका पत्र गोरवियो से मिला था। आपकी जॉर्ज की पुत्रिनी बहुत अच्छी रही होगी।

मेरी जापान पुत्रिनी बहुत अच्छी रही। बहुत सुन्दर और पसिन्दु गेली थी। उसका हवाई अड्डे पर से ही उन लोगों ने मेरे पेंटिंग का कोल ले लिया और फिर पूरी प्रेमिंग वगैरह उनके पुत्रिनि किया। कई कलाकारों की समीक्षकों से मुलाकात हुई। जापान रेडियो वाल रोकियो से इन्टरव्यू लेने आये थे। आठ चित्र बिके, गेली वाली के अनुसार ये बहुत सफल पुत्रिनी रही। जितने भी दर्शक आये वे सभी ने प्रशंसा की। फिर मैं जापान में बहुत धूम। उसका, रोकियो, क्योटो, नारा, ओबे, हिरोशिमा इत्यादि तथा जापान के उत्तरी भाग में एक गांव में मेरे जापानी मित्र के घर भी रहा। हिरोशिमा का शांतिवन और संग्रहालय ^{देखना} जीवन का अमूल्य अनुभव रहा। इस तरह कुल मिलाकर बहुत ही अच्छा रहा।

यहां आने के बाद कुछ सहित आराम किया, फिर दो काम शुरू किया। एक 8'x10' का बड़ा पेंटिंग बम्बई से बनाने के लिये मिला था जो एक ही केनवास पर बनाया। इसके पन्द्रह हजार रुपये मिले। ~~कुछ~~ सितम्बर में बम्बई में इसे लगवाकर आया। फिर से अब काम शुरू कर दिया है। 5-6 बड़े बड़े नये पेंटिंग बनाये हैं और कभी जोरों से काम शुरू है।

सुरेश चौधरी का काम अच्छा चल रहा है। मंगुषा मिलेला ने (जो कब भीभी गांगुली हो गयी है) पिछले सहित के लकते में पुत्रिनी की थी, अच्छी रही।

श्री वाक्काणजी सितम्बर, कक्कूब (में यूरोप में थे वो इटली, जर्मनी, वियेना गये थे, परिस नहीं जा सके।) यहां आधुनिक कला संग्रहालय का काम जोरों से चल रहा है। लोक कला के मध्य प्रदेश भाग से अच्छे नमूने इकट्ठे किए हैं। स्वामीनाथन का भी मेहनत कर रहे हैं। अशोक वाजपेयी भी ठीक हैं। जो व्यस्त अधिक रहते हैं इसलिये मुलाकात काम हो पाती है। इन्दौर के श्री विष्णु चिंचालका (गुरुजी) की विरंगम (Retrospective) पुत्रिनी अभी चल रही है। रोज़ उसे मिलते हैं पुत्रिनी में। वाली

यहां सब ठीक चल रहा है। इस गर्मी में यदि सम्भव हुआ तो
 यूरोप आऊंगा। जल्द ही अन्त में दुबई जाना है। यदि वहां का
 वीसा मिला तो। वहां एक पुदरनी लगाऊंगा, छोटा भाई-वहां
 रहता है। उसके बाद सम्भव हुआ तो यूरोप आप लोगों से मिलने
 आऊंगा। पर मैं सब अच्छी पक्का बही है। तय होने पर आपको
 लिखूंगा।

अभी तो काम में लगा हुआ हूँ। जरीब दो महिने
 काम जाना है मेरी पत्नी की और से आप दोनों को
 सादर नमस्ते।

आपका
डॉ. नागदेव